

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 598] No. 598] नई विल्ली, शुक्रवार. विसम्बर 7. 1984/अवहायण 16, 1906 NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 7, 1984/AGRAHAYANA 16, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में रक्षा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

े खाद्य और नागरिक पृक्ति मंत्रालय

(ख) द्या विभाग)

अभिमुचन (एं

नई दिल्ली, 7 विसम्बर, 1984

का. आ. १०४ (अ) :-- केंद्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भतपूर्व किष और सिनाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिमुचना स का, आ. 225 (अ) सारीख 28 भार्च, 1980 (जिसे इसमें इसके पश्चान उनन अधिमूचना कहा गया है) द्वारा चानी उनकप (प्रवन्ध प्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपनारा (1) के बंड (ख) द्वारा प्रवत्त गिवितयों का प्रयाग करते हुए, यह धोषण को थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सथिदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पक्षीं, करारी, व्यवस्थापनीं, पंचाटीं, स्थायी आदेशो या अन्य शिखिती (उनमे भिन्न जो बेंकों और विक्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों के संबंधित है मे प्रोदभूत या उदभूद होने वाली सभी बाध्यमाओं और दायित्यों, जिनका वेग्गोराय पाटन सहकारी यागर मिल्स लिमिटेड नामक उपक्रम जो राजस्थान राज्य में बुक्बी जिले केशोराय पाटन में चीनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त नीची उनकम का स्कामित्य रखनेवाना ध्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उसका या ब्यक्ति का लागू हों, का प्रवर्तत उक्त अविधि के लिए निलंबित रहेगा,

और उक्त अधिपूतन। को अविध, अधिपूत्रना स. का. आ. 113 (त्र), सारीख 19 फरवरी, 1981, का. आ 174 (त्र) तारीख 25 मार्च, 1982, का. 197 (त्र) तारीख 22 मार्च, 1983 और का. आ. 182 (त्र) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 12 दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बहा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिमूचना की अवसि, 31 मार्च, 1985 तक जिपमें यह नारोछ मों है, बढ़ा दी जानी चाक्षिए:

अतः अत्र केंद्रीय सरकार, चांनी उपक्रम (प्रबंध यहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के माथ पठिन उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा गंदन गार्कायों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिमूचना की अवधि की, 31 मार्च, 1985 तक, जिसमें यह नारीख भी है, बढ़ाती है।

फ़ि. स. 13-1/84 एन एस यू. जि. 2]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (Department of Food) NOTIFICATIONS

New Delhi, the 7th December, 1984

S.O. 904(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of

Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O.225(E), dated the 28th March, 1980 (Hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities through banks and financial institutions) to which the undertaking known as the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the District of Bundi in the State of Rajasthan or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 12th December, 1984; vide notification nos. S.O. 113(E), dated the 19th February, 1981; S.O. 174(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 197(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 182(E), dated the 21st March, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with subsection (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 3st March, 1985.

[File No. 13-1|84-NSU Vol.II]

का. आ. 905 (अ)---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भृतपूर्व कृषि और मिचाई मंझालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं. का. क्षा. 220 (अ) तारीख 28 मार्च, ¹980 (जिसे इसमें इसके पण्चान उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) **अधिनियम**, 1978 (1978 का 49) धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (स) द्वारा प्रद्रत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह धोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों; स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोदभत या उदभुत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों, जिनका श्री मीताराम मुमर कंपनी लिमिटेड, नामक उपक्रम जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया ाजले बेंतलपुर में चोनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्य रखने वाला व्यक्ति एक पक्ष-शर है या जो उक्त चेला उपक्रम या अपनित को लागृ हो, का प्रवर्तन उक्त अवधि के लिए निसंधित रहेगा:

और उक्त अधिसूचना की अवधि, अधिसूचना सं. का. का. 108 (अ), तारीख 19 फरवरी, 1981, का आ. 171 (अ) तारीख, 25 मार्च, 1982 का. आं. 194 (अ) तारीख 22 मार्च, 1983 भीर का. आ. 179 (अ) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 26 दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तिरीख भी है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचन्त्र की अवधि, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह सारीखाओं हैं, खड़ा दी जानी चाहिए;

अतः अब केद्रीय सरकार, चीना उपक्रम (प्रवध प्रहुण) अधिनियम् 1978 (1978 का 19) की धारा 7 की जनभारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा पदत शायतयों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिसूचना की अवधि को, 31 मार्च, 1985 तक, जिसमें यह तारीखा भी है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 13-1/84 एन एस प्. जि. 2]

S.O. 905(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No S.O. 220(E), dated the 28th March, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980, to which the undertaking known as the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Baitalpur in the District of Deoria in the State of Uttar Pradesh, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking of the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 26th December, 1984, vide notification Nos. S.O. 108(E), dated the 19th February, 1981; S.O. 171(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 194(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 179(E), dated the 21st March, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section(1), read with subsection (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1|84-NSU Vol. II]

का. आ. 906 (अ)---केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूत-पूर्व कृषि और सिंचाई मंखालय (खाद्य विभाग) की अधिमूचना सं. का. आ . 222 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 (जिमे इसमें इसके पक्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधि-नियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 ैं की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह धोषणा की थी कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत

ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों; पंचारों; स्थायी आवेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बेंक और वित्तेय संस्थाओं के प्रत्यापन दायिखों से संबंधित हैं) से प्रोदभूत या उदभूत होने वाली सभी बाध्यताओं और वायिखों का जिनका जीजा माता सहकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड नामक उपक्रम जो महाराष्ट्र राज्य के बुलदाना जिला एकर नगर में चीनी का विनिर्माण कर रही है, या उक्त भीनी उपक्रम का स्थामिश्व रखने वाला व्यक्ति एक पश्चकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति को लागू हो, प्रवर्तन उक्ता अवित्र के लिए निलंबित रहेगा;

और उक्त अधिसूचना की अविधि, अधिसूचना सं. का. 31.10 (अ) तारीख 19 फरवर्रा, 1981; का आ. 169 (अ) तारीख 25 मार्च, 1982; का .आ. 192 (अ) तारीख 23 मार्च, 1983 और का. आ. 177 (अ) तारीख 21 मार्च, 1984 द्वारा तारीख 12 विसम्बर, 1984 तक, जिनमें यह तारीख भी है, बढ़ा की गई थी;

और केन्द्रीय मरकार का समाआन हो गया है कि उक्त अधिसूचना की अविधि 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह कारीज भी है बढ़ा वी जानी चाहिए;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अबितियन, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठिन उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त ग्राव्सियों का प्रमीम करते हुए उक्त अधिमूचना का अविध को, 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी हैं, बढ़ाती है।

[फा. सं. 13-1/84 एन एस मू. जि. II]

S.O. 906(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 220(E), dated the 28th Madch, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awrads, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities through banks and financial institutions) to which the undertaking known as the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, manufacturing sugar at Shankarnagar in the District of Buldana in the State of Maharashtra, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 12th December, 1984, vide notification Nos. S.O. 110(E), dated the 19th February, 1981, S.O. 169(E), dated the 25th

March, 1982; S.O. 192(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 177(E), dated the 21st March, 1984:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with subsection (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1|84-NSU Vol.II]

का. आ. 907 (अ):— केन्द्रीय मरकार ने, भारत मरकार के भूतपूर्व कृषि और मिचाई मंत्रालय (खाध विभाग) की अधिसूचना मं. का. आ. 221 (अ) तारीख 28 मार्च, 1980 जिपे उपमें इसके पण्वात उमत अधिसूचना कहा गया है) ढारा चीनी उपक्रम (प्रबंध प्रहण) अधिन्त्रम, 1978 (1978 का. 19) की धारा 7 की उपवारा (2) के माथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रश्त करोत पूर्व प्रवृत ऐसी सभी संविदाओं; मम्पत्ति हस्तात्मरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थावी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोर्ट्सून या उदभूत होने वाली मभी बाह्यताओं और वायित्यों का जिनका देवरिया जीनी मिल्स विमित्रेड नामक उपक्रम जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिसे में देवरिया में या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामित्व रखने बाला व्यक्ति एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या व्यक्ति को लागू हो, प्रदर्शन उक्त अविध के लिए निलंखित रहेगा;

और उक्त अधिमूचना की अवधि, अधिमूचना मं. का० आ. 109 (अ) तारीख 19 फरवरी, 1981; का. आ. 172 (ख) तारीख 25 मार्च, 1982 का. आ. 195 (अ) तारीख 22 मार्च, 1983 और का. आ. 180 (ख) तारीख 21 मार्च, 1981 द्वारा तारीख 26 दिसम्बर 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त अधिसूचना का अवधि 31 मार्च, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी है बढ़ा दी जानी चाहिए।

अत: अब केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठिन उपधारा (1) के खंड़ (ख) द्वारा प्रवत्त शिव्ययों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिसूचना का अविध की, 31 मार्च, 1985 नक जिसमें यह नारीख भी हैं, बढाती है।

[फा. सं. 13-1/84 एन एस यू. (ज. II] एन. आर. बनर्जी, संपुक्त मचित्र

S.O. 907(E).—Whereas by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 221(E), dated the 28th March, 1980 (hereinafter referred to as the said notification), the Central

Government in exercise of the powers confered by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), had declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980, to which the undertaking known as the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the District of Deoria in the State of Uttar Pradesh, or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for the said pediod;

And, whereas, the duration of the said notification was extended upto and inclusive of the 26the December, 1984; vide notification Nos. S.O. 109(E), dated

the 19th February, 1981; S.O. 172(E), dated the 25th March, 1982; S.O. 195(E), dated the 22nd March, 1983 and S.O. 180(E), dated the 21st March, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said notification should be extended upto and inclusive of the 31st March, 1985:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with subsection (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby extends the duration of the said notification upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 13-1|84-NSU Vol.II] N. R. BANERJI, Jt. Secy.